भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान

ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)

फोन/Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स/Fax : 0121-288 8546

मोबाईल /Mobile : 91-9436731850; ईमेल/Email: directoriifsr@yahoo.com

दिनांक– 05.09.2017

कृषि प्रणाली संस्थान में "जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम करने व अनुकूलन हेतु संरक्षण कृषि के लिए मशीनरी" विषय पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में देश के सहायक प्राध्यापकों/कृषि वैज्ञानिकों के लिए दिनांक 5–25 सितम्बर, 2017 तक चलने वाले 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रानी लक्ष्मीबाई कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति डा. अरविंद कुमार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। डा. गया प्रसाद, कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ, व डा. डी. आर. सिंह निदेशक राष्ट्रीय आर्किड अनुसंधान केन्द्र सिक्किम, कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि रहे। मुख्य अतिथि डा. अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में बताया कि खाद्यान्नों, दलहन, तिलहन, सब्जी व फलों के उत्पान में रिकार्ड वृद्धि के बावजूद पोषण सुरक्षा में हमारा देश काफी पीछे है और इस क्षेत्र में अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। इसी तरह जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु संरक्षण कृषि के लिए उन्नत मशीनरी के प्रयोग की भी नितांत आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि संरक्षण कृषि के माध्यम से फसल अवशेषों का सही से प्रबंधन करके इसमें जीवांश की मात्रा बढ़ाई जा सकती है तथा मृदा उत्पादकता को लम्बे समय तक बनाये रखा जा सकता है। भविष्य में सिंचाई जल की भीषण समस्या से निपटने के लिए कृषि में जल संरक्षण तकनीकों के प्रयोग को तत्काल प्रभाव से अपनाया जाना चाहिए। प्रस्तुत प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में उठाया गया एक अच्छा कदम होगा।

विशिष्ठ अतिथि डा. गया प्रसाद ने अपने संबोधन में बताया कि जलवायु में प्रतिदिन बलाव हो रहे हैं तथा उन्नत यंत्रों, तकनीकों व आँकड़ों के प्रोसेसिंग की उन्नत विधियों से आज इसके

दुष्प्रभावओं का अंदाजा सही से लगा पर रहे हैं। साथ ही साथ उन्नत कृषि मशीनरी के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ–साथ संसाधन संरक्षण व जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाओं को कम करने में भी सफलता मिलेगी। डा. डी. आर. सिंह ने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन से होने वाले दुष्प्रभावों को जीवन के लिए खतरा बताया तथा इसके निपटने के लिए संरक्षण कृषि व इसमें प्रयोग होने वाली मशीनीकरण को बहुत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने प्रक्षेत्र मशीनीकरण को सस्ता करने व चलाने में असान बनाने की भी आवश्यकता जताई।

कृषि प्रणाली संस्थान के निदेशक डा. आजाद सिंह पँवार ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभाओं को कम करने में उन्नत कृषि मशीनरी व संरक्षण कृषि को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने मृदा उत्पादकता के लिए जिम्मेदार सूक्ष्मजीवों के संरक्षण में भी संरक्षण कृषि को लाभकारी बताया।

कार्यक्रम निदेशक डा. वी. पी. चौधरी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की तथा प्रशिक्षण के दौरान दिये जाने वाले व्याख्यानों व प्रयोगों के बारे में विस्तार से बताया। भारत के सात राज्यों से विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों व कृषि शोध संस्थानों के सहायक प्राध्यापक/वैज्ञानिक स्तर के 24 अधिकारी इस इक्कीश दिवशीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान जलवायु परिवर्तन के कारण व प्रभाओं, भारत में कृषि मशीनीकरण, संरक्षण कृषि द्वारा फसलोत्पादन, संरक्षण कृषि में नाशीजीव प्रबंधन, जैविक कृषि, कृषि प्रणाली में कठिन श्रम को कम करने वाली मशीनरी, उन्नत मशीनरी द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाओं को कम करने, ग्रीन हाउस गैसों के मापन व उत्पादन को कम करने वाले तरीकों, पोषक तत्वों के सही उपयोग हेतु फसलों में समेकित पोषण प्रबंधन, फार्म अवशेष प्रबंधन, मृदा प्रबंधन, क्लाइमेट स्मार्ट कृषि आदि पर देश के जाने–माने विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान व प्रयोग करवाये जायेंगे। कार्यक्रम 5 सितम्बर से लेकर 25 सितम्बर तक चलेगा। कार्यक्रम का संचालन डा. निशा वर्मा ने किया। डा. मो. शमीम ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

ICAR Summer School on
Machinery for Conservation Agriculture for
Mitigation and Adaptation of Climate Change
05-25 September, 2017
Sponsored by Agricultural Education Division, ICAR
ICAR-Indian Institute of Farming Systems Research, Modipuram-250110

IIFSR MODIPURAM